Luke 15:20-32
लुका १५: २०-३२

"I Don't Deserve This"
"मै इसके योग्य नहीं हूँ"

Pastor Bryan Chapell
पास्टर ब्रायन चैपल

July 3rd, 2016
जुलाई ३, २०१६

Introduction: What drives you crazy? What frustrates Jesus? The idea that people are supposed to deserve the gospel. We have not really heard the Gospel until our own heart echoes, "I do not deserve this."
प्रस्तावना : आपको क्या पागल बना देता है? यीशु का मनोरथ कैसे भंग होता है? यह कल्पना की लोग सुसमाचार के लायक है! हमने सुसमाचार नहीं सुना है जब तक हमारा हिर्दय यह न पुकारे की "हम इसके लायक नहीं है"!

Key: We cannot be fountains of grace, until our hearts have been filled with the mercy of God toward us.
मुख्य विचार: हम कृपा से भरे सोता नहीं बन सकते जब तक हमारे हिर्दय परमेश्वर की हमारे और की दया से न भरे हो !

I. Grace Means- God provides love and forgiveness to those who do not deserve it.
कृपा का मतलब है कि परमेश्वर उन्हें प्यार और क्षमा दे जो उसके लायक ना हो !

What happens to show that truth in the parable?
इस दृष्टान्त में सत्य बहार आये ऐसा क्या होता है?

A. Deep Insult (v11-13)
गहरा अपमान (व् ११-१३)

B. Distant immorality (v13-15)
दूर की अविनाशिता (व् १३-१५)

C. Determined Love (v17-22)
दृढ़ प्यार (व् १७-२२)

1. Love with a record (v17)
अभिलेख के साथ प्यार (व् १७)

2. Love with resolve (v20)
संकल्प से प्यार (व् २०)

3. Love that rejoices (v20-22)
प्यार जो आनंद करता हो

What does such a love look like:
ऐसा प्यार कैसा दीखता है?

1. In families
   कुटुंबों में

2. In Communities
   समाज में

3. In our church
   गिरजाघर में

II. Grace Means- God provides love and forgiveness to those who do think they do deserve it
कृपा का मतलब है कि परमेश्वर उन्हें प्यार और क्षमा दे जो उसके लायक ना हो !

What marks those who think they are too good for grace?
जो लोग समझते है की उनको कृपा की जरुरत नहीं है उनके क्या निशान है ?

A. They begrudge grace to the undeserving (v28,30)
   जो योग्य नहीं है उनसे वह ईर्ष्या करते है (व् २८-३०)

B. They believe grace is due to their deserving (v. 28-31)
   वह मानते है की कृपा उनके लायकात की वजह से है (व् २८-३१)

C. Thus they do not see
   इसलिए उन्होंने नहीं देखा

   1. Deep insult of theirs (v29,31)
      उनका गहरा अपमान (व् २९-३१)

   2. Determined love of the Father (28,31)
      पिता का दृढ़ प्यार (२८-३१)

   3. Denying themselves the party of Grace (v28)
      बेशुमार कृपा का अस्वीकार करना (व् २८)

Conclusion: Testimony
निष्कर्ष : गवाही